शिव शंकर दे भगत

बैठे शिव समादियाँ लाके,
गल विच नाग चढ़ेला पा के,
तू वि देख द्वारे आके नाम न जपि जांदे आ,
शिव शंकर दे भगत मस्त होये नची जांदे आ,

शिव दे हाथ त्रिशूल सी फड्या ओहदे अगे कोई ना अडिया,
बाबा जुलमा दे नाल लड़िया पाप न कटी जांदे आ,
शिव शंकर दे भगत मस्त होये नची जांदे आ,

शिव दे कनि मुंदरा पाइयाँ सांगता वेखन न सी अइया,
एक दूजे न दें वदाइयां नाम न जपि जांदे आ,
शिव शंकर दे भगत मस्त होये नची जांदे आ,

शिव ने जंगली धुनें लाये देवतेया ने फूल बरसाए,
बग्गा ते संदीप वी आये,
लेके सूखा नाल ले आये खुन्जा भनी जांदे आ,
शिव शंकर दे भगत मस्त होये नची जांदे आ,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4832/title/shiv-shankar-de-bhagat-mast-hoye-nachi-jande-aa-bethe-shiv-samadiyan-laake

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |